नया चोला

जीवन भर जो कर ना पाया वह करने की घड़ी आ गयी
मृत्युदेव के आलिंगन की महत्वपूर्ण तिथि बड़ी आ गयी
संघर्षों में लगा रहा मैं अब विश्राम की घड़ी आ गयी
वर्णों शब्दों की श्रंखला में पूर्ण विराम की कड़ी आ गयी

जीता रहा जगत में जब तक रिश्ते नाते सब अपने थे
भाई बंधु सुत और वनिता बस इतने ही मेरे सपने थे
चिर निद्रा में सो कर अब सत्य मिलन की घड़ी आ गयी
वर्णों शब्दों की श्रंखला में पूर्ण विराम की कड़ी आ गयी

प्रभु ने भेजा था इस जग में एक नया संसार रचाने
मातु पिता और जन जन की सेवा कर सुख बरसाने
कितना किया कितना छोड़ा यह नापने की घड़ी आ गयी
वर्णों शब्दों की श्रंखला में पूर्ण विराम की कड़ी आ गयी

आऊँगा मैं जग में फिर से एक नन्हा सा रूप बना कर
किलकारी मारूँगा फिर से किसी माँ की गोदी में जा कर
छोड़ पुराना चोला नूतन वस्त्र धारण की घड़ी आ गयी
वर्णों शब्दों की श्रंखला में पूर्ण विराम की कड़ी आ गयी